By
Rahul Kumar Jha
Dept. of Political Science

Lecture 2

Topic – Political Party (2) paper-1
Class – B.A. Degree-I (Hons + Sub.)
Unit-8 Unit-8
Date – 11 Apr. 2020

राजनीतिक दलों की भूमिका (Role of Political Parties):-

जैसा कि हम जानते हैं कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में राजनीतिक दल सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसकी महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अगर हम राजनीतिक दल को अदृश्य सरकार की संज्ञा दे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। वास्तव में राजनीतिक दल राजनीतिक व्यवस्था में शून्य से शिखर तक के कार्य को संपादित करती है। एक प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था में राजनीतिक दल की भूमिका निम्नलिखित है—

(i) सरकार का गठन करना :-

शासन व्यवस्था का चाहे रूप जैसा भी हो अर्थात एकात्मक हो या संघात्मक साथ ही

साथ राजनीतिक व्यवस्था में एकदलीय पद्धति हो या द्विदलीय या फिर भी बहुदलीय, सभी व्यवस्थाओं में सरकार का गठन राजनीतिक दल ही करते हैं। भारत जैसे संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली में बहुमत प्राप्त राजनीतिक दल ही सरकार का निर्माण करती है। वर्तमान में भारत में लोकसभा में बहुमत प्राप्त दल बीजेपी की सरकार है।

(ii) चुनाव में भाग लेना :- जैसा कि हम जानते हैं कि लोकतंत्र में जनता ही अपनी प्रतिनिधि को चुनती है और ये प्रतिनिधि किसी न किसी राजनीतिक दल से ही संबंधित होते हैं। जनता भी अपने मताधिकार प्रयोग करते समय राजनीतिक दल को ध्यान में रखती है।

(iii) विपक्ष की भूमिका निभाना :- एक सफल लोकतंत्र के लिए सशक्त व जिम्मेदार विपक्ष होना अत्यंत आवश्यक है तभी सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करेगी तथा उसका विरोध करेगी, जिससे की सरकार को निरंकुश होने से रोका जाय। इस कार्य के लिए राजनीतिक दल ही विपक्षी दल के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करती है।

(iv) सरकार और जनता के बीच एक कड़ी की भूमिका :- राजनीतिक दल के प्रतिनिधि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं से खबरू होते हैं तथा इन जनसमस्याओं को विभिन्न माध्यमों से यथा सदन में प्रश्नों के ~~मध्य~~ माध्यम से या फिर व्यक्तिगत स्तर पर प्रतिनिधिमंडल के साथ सरकार तक पहुंचाती है। इसी प्रकार सरकार के जनकल्याण सेवाओं नीतियों / निर्णयों आदि को जनता ~~का~~ तक पहुंचाती है।

(v) राजनीतिक समाजीकरण / प्रशिक्षण का कार्य :- राजनीतिक दल अपनी घोषणापत्रों के माध्यम से तथा अपनी कार्यक्रमों के सेवाभाव के माध्यम से समाज के वंचित तबको ~~को~~ तथा शोषित वर्गों को राजनीतिक तथा सामाजिक जागरूक करने का कार्य करती है। इसे समाज के मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हमेशा प्रयासरत रहती है।

इस प्रकार उपर्युक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रजातंत्र रूपी राजनीतिक ~~दल~~ व्यवस्था का आत्मा वास्तव में राजनीतिक दल ही होता है।

Chapter continues..